सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

राशन वितरण के लिए योगी सरकार की पारदर्शी व्यवस्था, करोड़ों लाभान्वितों को मिल रहा लाभ

» Pg12

कानपुर, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 96, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड मांवर गांव में कागजों पर संचालित अंत्येष्टि स्थल... » Pg08

संसद में पेश हुए संशोधन विधेयक पर चर्चा

वक्फ बिल पर आर-पार, राज्यों में अलर्ट

293 सांसदों का मिला समर्थन । यूपी, बिहार, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कड़ी सुरक्षा, सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की नजर

यूपी में पुलिसकर्मियों की छुट्टी रद्द

» बोले रिजिजू- वक्फ बिल न लाते तो संसद भवन और दिल्ली एयरपोर्ट होती वक्फ की संपत्ति।

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली/लखनऊ। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर दिया गया है। यह विधेयक संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पेश किया है। इस विधेयक पर चर्चा के लिए 8 घंटे का समय तय किया गया है। इस विधेयक को चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड का समर्थन मिला है। वहीं वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर देशभर में तनाव का माहौल बनता जा रहा है। इस बिल के लोकसभा में 2 अप्रैल 2025 को पेश होने से पहले ही संभावित विरोध प्रदर्शनों की आशंका ने कई राज्यों की पुलिस को हाई अलर्ट पर ला दिया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं, और जो कर्मी पहले से अवकाश पर थे, उन्हें तत्काल ड्यूटी पर लौटने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों के विरोध के चलते सरकार कोई जोखिम नहीं लेना चाहती, जिसके कारण देशभर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं।

लोकसभा में 2 अप्रैल 2025 को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिल के पक्ष में जोरदार तर्क पेश किए। उन्होंने कहा कि अगर यह बिल नहीं लाया जाता, तो वक्फ बोर्ड की मनमानी के चलते संसद भवन और दिल्ली एयरपोर्ट जैसी अहम संपत्तियां भी वक्फ की संपत्ति घोषित हो सकती थीं। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि इस विधेयक का मकसद वक्फ बोर्ड के धार्मिक कार्यों में हस्तक्षेप करना नहीं है, बल्कि उसकी संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड ने दिल्ली के एयरपोर्ट और वसंत विहार जैसे इलाकों पर भी दावा ठोका था, जो इसकी अनियंत्रित शक्तियों को दर्शाता है। रिजिजू ने जोर देकर कहा, हम किसी मस्जिद के मैनेजमेंट को नहीं छेड़ेंगे, लेकिन वक्फ की संपत्तियों का दुरुपयोग रोकना जरूरी है।

ओम बिरला ने दिया विपक्ष की आपत्तियों का जवाब

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष की आपत्तियों का जवाब देते हुए कहा कि सरकारी और गैर-सरकारी संशोधनों को बराबर समय दिया गया है। जितना समय सरकारी संशोधनों को दिया गया, उतना ही गैर-सरकारी संशोधनों को भी दिया गया है। इसमें कोई भेदभाव नहीं किया गया। उन्होंने प्रक्रिया की निष्पक्षता पर जोर दिया और चर्चा को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया।

अगर यह बिल नहीं लाया जाता, तो वक्फ बोर्ड की मनमानी के चलते संसद भवन और दिल्ली एयरपोर्ट जैसी अहम संपत्तियां भी वक्फ की संपत्ति घोषित हो सकती थीं। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि इस विधेयक का मकसद वक्फ बोर्ड के धार्मिक कार्यों में हस्तक्षेप करना नहीं है, बल्कि उसकी संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है।

उत्तर प्रदेश में कड़ी निगरानी

उत्तर प्रदेश में वक्फ संशोधन बिल को लेकर सबसे ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है। राज्य के डीजीपी ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को चौकन्ना रहने का आदेश दिया है। वाराणसी, लखनऊ, कानपुर और अन्य संवेदनशील शहरों में पुलिस ने बीती रात फ्लैग मार्च निकाला, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। संवेदनशील इलाकों में ड्रोन से निगरानी की जा रही है, और सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर बिल के खिलाफ भड़काऊ पोस्ट और धमकियों की खबरों के बाद पुलिस ने अपनी साइबर सेल को भी सक्रिय कर दिया है। खास तौर पर कानपुर के यतीम खाने जैसे क्षेत्रों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, जहां विरोध प्रदर्शन की आशंका जताई जा रही है।

बिहार में भी हाई अलर्ट

बिहार में भी वक्फ बिल के खिलाफ संभावित प्रदर्शनों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। पटना और अन्य प्रमुख शहरों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। राज्य में पहले ही ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जैसे संगठनों ने बिल के खिलाफ बड़े प्रदर्शन किए हैं, जिसमें विपक्षी नेता जैसे तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव भी शामिल हुए थे। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह मुद्दा और संवेदनशील हो गया है। पुलिस ने किसी भी तरह की अशांति को रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है और संवेदनशील इलाकों में गश्त तेज कर दी है।

महाराष्ट्र में भी वक्फ बिल को लेकर तनाव की आशंका के बीच पुलिस ने कड़े कदम उठाए हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे शहरों में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। मुंबई पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी शुरू कर दी है, जबकि ड्रोन का इस्तेमाल भी किया जा रहा है। बीती रात मुंबई के कुछ हिस्सों में फ्लैग मार्च निकाला गया, ताकि लोगों में सुरक्षा का भरोसा पैदा हो और असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश दिया जा सके। राज्य में पहले से ही इस बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों की ओर से विरोध के स्वर उठ रहे हैं, जिसके चलते पुलिस कोई ढील नहीं बरतना चाहती।

देशभर में पुलिस की तैयारी, अफवाहों और भड़काऊ सामग्री

उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र के अलावा मध्य प्रदेश, दिल्ली, और अन्य राज्यों में भी पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली में जंतर मंतर जैसे संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, जहां पहले भी इस बिल के खिलाफ प्रदर्शन हो चुके हैं। कई राज्यों में पुलिस ने सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए विशेष टीमें गठित की हैं, ताकि अफवाहों और भड़काऊ सामग्री को फैलने से रोका जा सके। यह कदम इसलिए भी उठाया गया है, क्योंकि एआईएमपीएलबी और अन्य संगठनों ने बिल के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन की घोषणा की है।

पीएम की ओर से सबसे बड़ी ईदी: मोहसिन रजा

भाजपा नेता मोहसिन रजा ने वक्फ संसोधन बिल लाने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पिछड़े और अतिपिछड़े मुसलमानों के लिए पीएम मोदी की ओर से सबसे बड़ी ईदी होगी।

आप 20-25 साल और अध्यक्ष रहेंगे

चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हंसी-मजाक के अंदाज में आरोप-प्रत्यारोप दिखाई दिया। दरअसल, वक्फ बिल पर बोलते हुए अखिलेश ने भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष के चुनाव में देरी को लेकर तंज कसा। इस पर परिवारवाद का जिक्र कर पलटवार करते हुए शाह ने अखिलेश से कहा कि आप तो 25 साल तक अपनी पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे, हमें कार्यकर्ताओं में से चुनना है, इसलिए समय लग रहा है।

वक्फ बिल नाकामी पर पर्दा है: अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि वक्फ बिल नाकामी पर पर्दा है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर नाकाम। रातोंरात नोटबंदी का फैसला लिया। नोटबंदी की नाकामी पर भी चर्चा जरूरी है। महंगाई, बेरोजगारी और किसान की आय दोगुनी नहीं कर पाए, उस पर भी चर्चा होनी चाहिए। वक्फ बिल मुसलमानों के लिए है। मुसलमानों की बात ही नहीं सुन रहे। अखिलेश यादव ने कहा कि वक्फ बिल के पीछे ना नीति सही, ना नियत सही।

अंध विद्यालय जवाहरनगर के नेत्रहीन बच्चों ने की संसद की यात्रा

कानपुर सांसद रमेश अवस्थी की पहल से दिव्यांग बच्चों ने दिल्ली का किया भ्रमण

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । अक्सर आपने लोगों से सुना होगा कि नेता अक्सर वादे करते हैं और उन्हें भूल जाते हैं, लेकिन कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने बीती 26 जनवरी को कानपुर के जवाहर नगर स्थित अंध विद्यालय के बच्चो से अपना किया हुआ एक वादा निभाया और उनका ये वादा निभाना अब देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ हैं ।

जानकारी के अनुसार बीती 26 जनवरी को कानपुर के सांसद जवाहर नगर स्थित अंध विद्यालय झण्डा रोहण के लिए मुख्यातिथि के तौर शामिल हुए थे ।

इस दौरान कार्यक्रम के बीच मे अंध विद्यालय के कुछ नेत्रहीन छात्रों ने सांसद रमेश अवस्थी से एक आग्रह किया था कि उन्हें संसद की कार्यवाही को महसूस करना है । उन्हने सांसद से कहा कि वो नेत्रहीन है, इस लिए वो कार्यवाही को देख तो सकते नही है, लेकिन वो संसद में होने वाली सत्र की चर्चा सुनकर महसूस कर सकते हैं कि देश कैसे और किस रूपरेखा से चलता है ।

नेत्रहीन बच्चों के संसद भ्रमण के आग्रह पर सांसद रमेश अवस्थी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह अपने खर्च पर सभी बच्चों को लेकर संसद की कार्यवाही दिखवाने, तथा संसद भ्रमण करवाने के लिए जरूर लेकर जाएंगे।

इसी क्रम में आज सांसद रमेश अवस्थी द्वारा अपना वादा पूरा किया गया और दिल्ली में प्रवास होने तथा संसद की कार्यवाही में शामिल रहने की वजह से अंध विद्यालय की नेत्रहीन बच्चो से भरी 2 बसों को देर रात उनके पुत्र सचिन अवस्थी और शुभम अवस्थी के द्वारा झंडा दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान सांसद द्वारा उनके खाने पीने और रुकने का भी सम्पूर्ण इंतजाम भी किया गया । ऐसे में सभी नेत्रहीन बच्चे कल संसद में विजिटर गैलरी में बैठकर संसद की कार्यवाही विजिटर गैलरी से हेड फोन लगाकर सुनेंगे।इस अवसर पर सांसद द्वारा फोन पर हुई वार्ता के दौरान सांसद रमेश अवस्थी ने मीडिया से कहा, मैंने बच्चों को संसद में लाने का वादा किया था और आज मैं उस वादे को पूरा कर रहा हूं। यह बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं और उन्हें संसद की कार्यवाही देखने का मौका मिलना चाहिए।

इसके साथ ही विद्यालय के प्रिंसिपल ने कहा कि सांसद जी द्वारा किया गया वादा इतनी जल्दी पूरा हो जाएगा ये मैंने नही सोचा था । बच्चों में बेहद खुशी का वातावरण है । उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए बुधवार को संसद भ्रमण और सत्र में शामिल होना और भी ऐतिहासिक होगा, क्यों कि कल संसद में वक़्फ़ संशोधन बिल प्रस्तुत किया जा रहा है । इस लिए इन बच्चो के लिए ये दिन और भी खास हो जाएगा ।

इस दौरान अंध विद्यालय के नेत्रहीन बच्चों ने सांसद रमेश अवस्थी को धन्यवाद दिया और कहा, हमें संसद में जाने का मौका मिला है और यह हमारे लिए एक अद्भुत अनुभव होगा। इस यात्रा के दौरान, बच्चों को संसद की कार्यवाही के बारे में जानकारी दी जाएगी और उन्हें संसद के इतिहास और महत्व के बारे में बताया जाएगा।

अबतक के इतिहास में ये पहली बार होगा जब संसद के अंदर कुछ ऐसा नजारा देखने को मिलेगा, जब सैकड़ों नेत्रहीन बच्चें इस संसदीय कार्यवाही का हिस्सा होंगे । ऐसे में विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाओं ने भी इस संसद भ्रमण के बारे में सांसद का धन्यवाद देते हुए कहा कि यह किसी सांसद द्वारा की जाने वाली एक अद्भुत पहल है जो बच्चों को संसद की कार्यवाही के बारे में जानने और समझने का मौका देगी।

दंगा नियंत्रण स्कीम के तहत मॉकड्रिल कर दिलाया सुरक्षा का एहसास

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दंगा नियंत्रण स्कीम के तहत ईद के दूसरे दिन कमिश्नरेट के चारों जोन में डीसीपी के नेतृत्व में पुलिस फोर्स ने सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में मॉकड्रिल की। इस दौरान ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी रखकर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया गया। उच्चाधिकारियों के स्पष्ट निर्देश है, कि छोटी सी छोटी घटना भी नजरअंदाज कतई नहीं किया जाए। किसी प्रकार की संदिग्धता लगने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी जाए।

मंगलवार को डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने मंगलवार शाम पांच बजे बेकनगंज, अनवरगंज, चमनगंज आदि क्षेत्रों में एडीसीपी राजेश कुमार श्रीवास्तव, एसीपी अनवरगंज अभिषेक राहुल व पुलिस बल के साथ मॉकड्रिल की। इस दौरान कानून-व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा स्थानीय पुलिस को सतर्क और मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार पश्चिम जोन के डीसीपी श्रवण कुमार सिंह ने थाना जाजमऊ में एडीसीपी पूर्वी मनोज कुमार पांडेय, छावनी एसीपी सृष्टि सिंह समेत फोर्स के साथ मॉकड्रिल की।

उन्होंने पुलिस से संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। स्थानीय नागरिकों व व्यापारियों से संवाद कर शांति व सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की गई। सार्वजनिक स्थलों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह दक्षिण जोन में डीसीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी व एडीसीपी दक्षिण महेश कुमार ने बाबूपुरवा क्षेत्र में एसीपी बाबूपुरवा, नौबस्ता व फोर्स आवश्यक उपकरणों के साथ मॉकड्रिल की।

इस दौरान सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सतर्क रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करें। वहीं पश्चिम जोन में एडीसीपी विजेंद्र द्विवेदी ने रावतपुर पुलिस के साथ संवेदनशील स्थान बर्तन वाली गली, डाकखाना तिराहा, बकरामंडी, सैयद नगर, रोशन नगर, मसवानपुर में मॉकड्रिल के साथ लोगों से जानकारियां ली। वहीं मुस्लिम क्षेत्रों में दिन भर चहल पहल रहने के कारण उच्चाधिकारी ड्रोन और सीसीटीवी से मानीटरिंग करते रहे। इस संबंध में डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी के अनुसार सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है।

संसाधनहीन लोगों के लिए काम करता रहेगा यति संकल्प संस्थान

यती संकल्प संस्थान ने आयोजित किया पत्रकार स्नेह मिलन समारोह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यती संकल्प संस्थान के द्वारा चैत्र मास शुक्ल पक्ष प्रतिपदा विक्रम संवत् 2082 भारतीय नववर्ष व चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर पत्रकार स्नेह मिलन व फलाहार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान यती संकल्प संस्थान की सचिव नीतू सिंह ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि संस्थान विगत कई वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्वावलंबन, नारी सशक्तिकरण सहित अनेक क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाते हुए सेवा कार्य कर रहा है। जिससे समाज का हर वर्ग लाभान्वित हुआ है। बस्ती में रह रहे लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके इसलिए उनके उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा शिविरों का आयोजन समय-समय पर संस्थान द्वारा किया जाता है साथ ही संस्थान द्वारा संसाधनहीन बालिकाओं को कन्या पूजन कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई गई है। संस्थान द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों के प्रोत्साहन हेतु यती प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन भी किया जा रहा है साथ ही उन्हें सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा यतीन्द्रजीत सिंह जी के नाम पर मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने संस्थान की अन्य उपलब्धियों को भी सभी के साथ साझा किया व आगामी कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए बताया कि संस्थान द्वारा स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार में संलग्न महिलाओं को एक मंच प्रदान करने व सभी के समक्ष उनकी प्रतिभा को प्रस्तुत करने के उद्देश्य से शीघ्र संस्थान द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया मानव सेवा के बाद जो लोगों के चेहरे पर खुशी के भाव होते हैं, वही हमारे लिए संतुष्टि है।

सपा नेता के आवास पर ईद मिलन समारोह में जुटे दिग्गज

» पत्रकार व वकील समेत कई नेताओं व क्षेत्रीय लोगों की शिरकत

गले मिलकर एक दूसरे को दी मुबारक़बाद

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। ईद-उल-फितर का त्योहार सोमवार को पूरे देश में धूमधाम से मनाया गया।लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर सपा नेता हाफिज एजाज हसन के बिल्हौर वाले आवास पर मंगलवार को ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्रीय लोगों समेत सपा के कई दिग्गज नेता पत्रकार एवं वकीलों से शिरकत की। सपा नेता हाफिज एज़ाज़ हसन ने सभी का बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व प्रत्याशी बांगरमऊ मुन्ना अल्वी, एडवोकेट जीशान अल्वी, नानामऊ जिला पंचायत सदस्य ठाकुर गगन सिंह, जीशान सभासद, सरोज,मुमताज़ खान, पत्रकार राहुल त्रिपाठी, रफीक, हरिनाथ सिंह, जिया अहमद, आशीष, शोभित, अनूप वर्मा समेत कई लोग मौजूद रहे।

एसपी और एएसपी ने जनसुनवाई कर सुनी फरियादियों की समस्याएं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर.शंकर एवं जनलोकप्रिय अपर पुलिस आलोक मिश्रा ने जनपदवासियों को उनकी समस्याओं के निस्तारण व उनको त्वरित न्याय दिलाए जाने के उद्देश्य से ककोर स्थित पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गयी।पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाते हुए पीड़ितों से एक-एक करके उनकी समस्याओं को बहुत ही गम्भीरता और विस्तारपूर्वक सुना गया है।जनसुनवाई के दौरान जो भी फरियादी अपनी शिकायत तथा समस्याओं के समाधान की उम्मीद के साथ पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक औरैया के समक्ष आये थे उन सभी की समस्याओं को सुनकर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने एवं कराये जाने का पूरा भरोसा दिया गया।दोनों वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा प्राप्त हुई शिकायत के बिना किसी भेदभाव के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किए जाने हेतु सम्बन्धित को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है.

पॉलिटेक्निक छात्र का शारदा नहर में उतराता मिला शव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निंदुरा बाराबंकी। बड्डूपुर थाना क्षेत्र के भगौली चौकी के अंतर्गत जगईपुर गांव निवासी पॉलिटेक्निक के छात्र आमोद कुमार रावत ने गांव के पास निकली शारदा नहर में मंगलवार दोपहर रहिलामऊ पुल पर चम्पल,पर्स ,मोबाइल, रख कूदने का मामला सामने आया था। जिसमें स्थानीय राहगीरों ने पुलिस को सूचना दिया और मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की सहायता से ढूंढने का प्रयास किया किन्तु असफल रहे। इस घटना के बाद परिजनों का बहुत ही बुरा हाल है।

बुधवार सुबह थाना क्षेत्र के भगौली चौकी रेगुलेटर पर उतराता हुआ देखा गया। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया है इधर पुलिस ने शव निकाल कर पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। पुलिस छात्र के दोस्तों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ कर रही है ताकि घटना के कारणों का पता चल सके। युवक के पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। और वे बार-बार यही कह रहे हैं कि काश उन्होंने अपने बेटे पर गुस्सा न किया होता। माँ बेसुध पड़ी है और घर में चीख-पुकार मची हुई है।

बताते हैं क्या था मामला

जितेंद्र कुमार के घर पर रामचरित मानस पाठ का कार्यक्रम चल रहा था इसी बीच उनके ही पुत्र आमोद कुमार (20) से किसी बात को लेकर आपसी विवाद हो गया पुत्र ने एक बड़ा ही खौफनाक कदम उठा लिया है गांव के पास से गुजरी दरियाबाद शारदा नहर में छलांग लगा दी ।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्ध्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

सम्पादकीय

मनुष्य जीवन के लिये खतरे की घंटी

तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है।हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं।

प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

ट्रम्प के टैरिफ की चुनौती से मुकाबले की तैयारी

ओनिंद्यो चक्रवर्ती

ट्रम्प की 'जवाबी' टैरिफ नीति से भारत को भी नुकसान होने की आशंका है। दरअसल भारत और अमेरिका के आयात शुल्कों के बीच बड़ा अंतर है। व्यापार की यह स्थिति भारत को रास आती है जो ट्रंप के निशाने पर है। भारत के टैरिफ जितनी जवाबी दरें करने का उनका निर्णय या तो भारतीय निर्यात को अप्रतिस्पर्धी बना देगा या फिर हमें मजबूरन अपने टैरिफ अमेरिका के समान करने होंगे।

तकरीबन 2,000 साल पहले, जब रोमन साम्राज्य अपने चरम पर था, भूमध्य सागर से बाहर के बंदरगाहों से आने वाले व्यापारिक जहाजों को अपने साथ लाए जाने वाली प्रत्येक वस्तु पर एकमुश्त कर चुकाना पड़ता था। कुछ शताब्दियों बाद, जब इस इलाके पर रोमनों का राज जाता रहा और यह क्षेत्र यहां-वहां बिखरे देशों और छोटी सल्तनतों में विभक्त हो गया, तो व्यापारियों को एक बंदरगाह से दूसरे राजा के बंदरगाह तक जाने के लिए कई किस्म के शुल्कों का सामना करना पड़ा।

इसलिए, एक परंपरा विकसित हुई, जिसमें व्यापारियों को पहले से ही यह बता दिया जाता था कि प्रत्येक वस्तु पर कितना कर लगाया जाएगा। अरबी भाषा में इसे 'तारीफेः' अर्थात? अधिसूचना कहा जाता था। यही शब्द अन्य भाषाओं में भी आया, स्पेनिश में 'टैरिफा', इतालवी में 'टैरिफा' और आगे चलकर अंग्रेजी में 'टैरिफ' बना। गया।

आज, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बदौलत, यह शब्द पिछले चार दशकों से चली आ रही विश्व व्यवस्था में खलल डालने पर तुला है। कुछ ही दिनों में, ट्रम्प की 'जवाबी' टैरिफ नीति हर देश को प्रभावित करने वाली है। अमेरिका में आयात शुल्क दर अब ठीक उतनी होगी जो माल भेजने वाला देश अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर लगाएगा।

हम पर भी इसका असर होगा। साल 2023-24 में अमेरिका को हमारा निर्यात 78 बिलियन डॉलर रहा और इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 60 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा दवाइयों का था- हमारी दवा कंपनियां अमेरिका को महत्वपूर्ण दवाओं के सस्ते संस्करण निर्यात करती हैं और कमाई मोटी है। इनके बाद सबसे बड़ा अंश था टेलीकॉम उत्पादों का, जैसे कि भारत में पुर्जे जोड़कर बनाए आईफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल गैजेट एवं मशीनें इत्यादि।

हालांकि, हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को बहुत अधिक कारें नहीं बेचते हैं, लेकिन ऑटो पार्ट्स हम

खूब निर्यात करते हैं। अमेरिकी बाजार हमारे सकल ऑटोमोबाइल निर्यात का 27 प्रतिशत हिस्सा है। हम अन्य देशों को भी ऑटो पार्ट्स निर्यात करते हैं, जिनका उपयोग ऑटोमोबाइल तैयार करने में किया जाता है, जिन्हें आगे अमेरिका भेजा जाता है। निर्यात का एक अन्य बड़ा हिस्सा हीरे एवं सोने के गहने हैं। वर्ष 2024 में, हमने अमेरिका को 12 बिलियन डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए। हम वहां कपड़ा और परिधान भी भेजते हैं। पिछले साल, हमने अमेरिका को 11 बिलियन डॉलर के रेडीमेड परिधान, यार्न और टेक्सटाइल बेचे। भारत से अमेरिका को कई किस्म के समुद्री खाद्य पदार्थ भी निर्यात किए जाते हैं। हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को विभिन्न किस्मों के चावल भी बेचते हैं। वर्ष 2024 में अमेरिकी बाजार में भारत से कुल मिलाकर 6 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन, मछली और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ पहुंचे थे। वर्तमान में, अमेरिका को भारत का सकल निर्यात उसके यहां से आने वाले माल से 45 बिलियन डॉलर अधिक है।ट्रंप का मानना है कि इस अंतर का एक बड़ा कारण है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर बहुत अधिक टैरिफ लगाता है, जिससे भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान अधिक महंगा हो जाता है। भारत विदेश से घरेलू अर्थव्यवस्था में आने वाली वस्तुओं पर औसतन 12 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से पांच गुना अधिक है। लेकिन बात जब विशिष्ट वस्तुओं की आए तो यह अंतर और भी अधिक गहरा हो जाता है। आयातित कृषि उत्पादों पर भारत औसतन 37.8 प्रतिशत टैरिफ लगाता है जबकि अमेरिका केवल 5.4 प्रतिशत लगा रहा है। अमेरिका में बने ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स पर हमारा टैरिफ उसके द्वारा भारतीय कलपुर्जों पर वहां लगाए जाने वाले शुल्क से 24 प्रतिशत से भी ज्यादा है।

मानवीय क्षति के कारकों की गहरी पड़ताल जरूरी

बड्डाल की त्रासदी

पंकज चतुर्वेदी

रिपोर्ट से पता चला है कि बीमार लोगों के शरीर में बहुत-सी भारी धातु पाई गई है। यही नहीं इन धातुओं की मात्रा सामान्य से कई गुना ज्यादा मिली। विशेषज्ञों के अनुसार ये भारी धातुएं जहर जैसा काम करती हैं।दो महीने पहले कश्मीर के राजौरी जिले के गांव बड्डाल में हुई 17 लोगों की संदिग्ध मौत की गुत्थी अब और उलझती जा रही है। सीएसआईआर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च प्रयोगशाला ने गहन जांच के बाद यह स्पष्ट किया कि मौत का कारण ग्रामीणों के शरीर में पाया गया क्लोरफेनेपायर नामक जहरीला रसायन था। इस गांव में 16 लोग ऐसे भी थे जो बीमार हुए, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मौत के मुंह से खींच लिया। लोगों का इलाज करने वाले पीजीआई, चंडीगढ़ के डॉक्टर्स का कहना था कि उन्होंने एंटीडोट के रूप में एट्रोपिन दवा का प्रयोग किया, और इसने 100 प्रतिशत परिणाम दिए।

हालांकि, एट्रोपिन का इस्तेमाल ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लिए एक प्रभावी उपचार है, लेकिन आश्चर्यजनक यह है कि किसी भी बीमार या मृत व्यक्ति के शरीर में ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लक्षण नहीं दिखे। अब, जिस क्लोरफेनेपायर को मौत का कारण बताया जा रहा है, उसका यहां दूर-दूर तक कोई उपयोग नहीं होता।समझना होगा कि क्लोरफेनेपायर एक व्यापक स्पेक्ट्रम कीटनाशक है जिसका उपयोग दीमक और फसलों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। मलेरिया के संभावित उपचार के रूप में भी इसको लेकर प्रयोग चल रहे हैं। क्लोरफेनेपायर

सूक्ष्मजीवी रूप से उत्पादित यौगिकों के एक वर्ग से प्राप्त होता है, जिसे हैलोजेनेटेड पाइरोल्स के नाम से जाना जाता है। क्लोरफेनेपायर एक सहयोगी - कीटनाशक है, जिसका अर्थ है कि यह एक अन्य रसायन में सक्रिय होकर कीटों को मारता है। क्लोरफेनेपायर का सक्रिय मेटाबोलाइट ट्रालोपायरिल है, जो कीटों के माइटोकॉन्ड्रिया में एटीपी के उत्पादन को बाधित करता है। इससे कीट की कोशिका मर जाती है और अंततः जीव मृत्यु हो जाती है। डब्ल्यूएचओ द्वारा इसकी पहचान एक मध्यम विषाक्त कीटनाशक के रूप में की गई है, लेकिन विषाक्त रोगियों की मृत्यु दर बहुत अधिक है।क्लोरफेनेपायर इंसान के साथ-साथ पक्षियों, मछलियों और जलीय अकशेरुकी जीवों के लिए अत्यधिक विषैला है। यदि इंसान पर इसका असर हो तो पहले पसीने आते हैं फिर तेज बुखार, रैबडोमायोलिसिस तथा तंत्रिका तंत्र के लक्षणों का बिगड़ना शुरू हो जाता है। वैसे बड्डाल के मरीजों में यह सभी लक्षण देखे गए थे। क्लोरफेनेपायर का उपयोग व्यावसायिक रूप से दीमक नियंत्रण और फसल सुरक्षा के लिए किया जाता है। मलेरिया वेक्टर नियंत्रण में इसके संभावित उपयोग का भी मूल्यांकन किया गया है। प्रयोगशाला अध्ययनों में क्लोरफेनेपायर को बहु-कीटनाशक-प्रतिरोधी मच्छरों के विरुद्ध प्रभावी पाया गया।हालांकि, जब बड्डाल में बीमारी का हो-हल्ला हुआ तो एम्स दिल्ली सहित कई शीर्ष संस्थाओं की टीम वहां पहुंची। केन्द्रीय मंत्री ने जनवरी के दूसरे हफ्ते में ही कह दिया था कि मरने वालों के शरीर में कैडमियम की भारी मात्रा पाई गई और मौत का कारण यही है। वहीं 24 जनवरी को पीजीआई चंडीगढ़ की रिपोर्ट से पता चला है कि बीमार लोगों के शरीर में बहुत-सी भारी धातु पाई गई है। यही नहीं इन धातुओं की मात्रा सामान्य से कई गुना ज्यादा मिली। विशेषज्ञों के अनुसार ये भारी धातुएं जहर जैसा काम करती हैं। उसके बाद मरीजों के नमूनों को केंद्रीय एफएसएल, डीआरडीओ ग्वालियर व अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं को भी भेजा गया था।इस बीमारी के बाद जिले की सभी कीटनाशक और कृषि सामग्री की बिक्री करने वाली दुकानें सील की गईं, वहां से नमूने उठाए गए लेकिन कहीं से भी न भारी धातु और न ही क्लोरफेनेपायर के कोई अवशेष मिले। यही नहीं, इस रसायन को आनलाइन स्टोर से खरीदने के भी कोई प्रमाण नहीं मिले।

मेहंदी से रूखे बाल? अपनाएं ये कमाल के हाल!

मेहंदी का तासीर ठंडी होती है और इसलिए गर्मियों के मौसम में ज्यादातर महिलाएं बालों पर मेहंदी लगाती है। लेकिन मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई हो जाते हैं। अगर आपके हेयर्स मेहंदी लगने के बाद ड्राई हो जाते हैं, तो आप इन टिप्स को जरुर फॉलो करें। ऐसे में आप मेहंदी लगाते समय कुछ तरीकों को जरुर अपना सकते हैं।

हर कोई अपने बालों की केयर जरुर करता है। मेहंदी जिसे हिना के नाम से भी जाना जाता है, इसका इस्तेमाल सदियों से प्राकृतिक हेयर डाई और कंडीशनर के रूप में किया जाता रहा है। ज्यादातर महिलाएं अपने बालों की केयर करने के लिए मेहंदी जरुर लगाती हैं। मेहंदी अपने ठंडक देने वाले गुणों, बालों को मजबूत और पोषण देने के साथ-साथ हेयर्स को एक समृद्ध, प्राकृतिक रंग देने की क्षमता के लिए जानी जाती है।

लोग अपने बालों पर मेहंदी न केवल एक सुंदर लाल-भूरे रंग की टिंट पाने के लिए लगाते हैं, बल्कि स्कैल्प के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, रूसी को कम करने और बालों की बनावट को बेहतर बनाने के लिए भी लगाते हैं।

लेकिन कई बार महिलाओं की ये शिकायत रहती है कि मेहंदी लगाने से बाल बहुत ज्यादा ड्राई हो जाते हैं और बीच से टूटने लगते हैं। ऐसे में आप मेहंदी लगाते समय कुछ तरीकों को जरुर अपना सकते हैं। इस तरह से तैयार करें मेहंदी का घोल मेहंदी का पेस्ट बनाने के दौरान आप इसमें मॉइस्चराइजिंग सामग्री मिलाएं।

यह आपके बालों को मॉइस्चराइज करने में मदद करता। आप नारियल का दूध, जैतून का तेल या एलोवेरा जैसी चीजों को मिला सकते हैं। फिर आप इस पेस्ट को लगा सकते हैं। मेहंदी लगाने से पहले बालों में तेल लगाएं यदि आप बालों में मेहंदी लगाना पसंद करती हैं, लेकिन इसके बाद आपके हेयर्स ड्राई हो जाते हैं, तो आप मेहंदी लगाने से पहले बालों में हल्का-सा जैतून, नारियल या आर्गन तेल का बालों में लगा सकती है। इससे बालों में रुखापन नहीं आता मेहंदी बालों में अच्छी से लगा सकते हैं। मेहंदी लगाने के बाद बालों को कवर करें जब आप मेहंदी का पेस्ट बालों में लगा लें तो उसे ढकें जरुर। ऐसा करने से पेस्ट नम रखने और सूखने से बचाने में मदद मिलती है। इसके लिए आप अपने बालों को प्लास्टिक रैप या शॉवर कैप में लपेटें।

ज्यादा देर न लगाएं

कई बार होता है कि बालों पर जरुरत से ज्यादा मेहंदी लगाने से बाल ड्राई हो जाते हैं। जब भी आप बालों में मेहंदी लगाएं तो 25 से 30 मिनट के बाद हेयर वॉश करें।

बाल वॉश करने के लिए सही तरीका

कई बार ऐसा होता है कि मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई हो जाते है और हेयर्स टूटने भी लगते हैं, तो आप मेहंदी ड्राई होने के बाद बालों को सही तरीके से वॉश करें। मेहंदी धोने के बाद अपने बालों को हल्के, सल्फेट-फ्री शैम्पू से धो सकते हैं। नमी बनाए रखने के लिए बालों को डीप कंडीशन करें।

शरीर के छोटे संकेत, सेहत के बड़े संकट!

जब शरीर में धीरे-धीरे टॉक्सिन्स पदार्थ जमा होने लगते हैं। वहीं जब यह जरूरत से ज्यादा जमा हो जाते हैं, तो इनको बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पाता है। जिसकी वजह से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं।

सुस्ती और थकान लगना अगर आपको हर समय थकान और सुस्ती महसूस होती रहती है, काम में फोकस करने में समस्या आती है। या फिर ब्रेन फॉग महससू होता है। तो इसका मतलब हो सकता है कि आपका लिवर टॉक्सिंस को सही तरह से प्रोसेस नहीं कर पा रहा है।

पिंपल्स और रैशेज होना

अगर आपको स्किन पर बार-बार रैशेज, पिंपल्स या खुजली आदि होती है और स्किन दिखाई देती है, तो इसका मतलब हो सकता है कि लिंफेटिक सिस्टम में टॉक्सिन जमा हो रहे हैं।

ब्लोटिंग और कब्ज की समस्या

बार-बार कब्ज, ब्लोटिंग और अपच की समस्या होने पर यह खराब गट हेल्थ और टॉक्सिन जमा होने का संकेत होता है। मुंह से बदबू आना अगर आपके मुंह से बदबू आती है और जीभ पर सफेद परत जम गई है। तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके पेट में टॉक्सिन जमा हो रहे हैं। वहीं आपका पाचन तंत्र भी सही से काम नहीं कर रहा है। जुकाम और साइनस होना साइनस, सांस लेने में दिक्कत और बार-बार जुकाम की समस्या होने पर हो सकता है कि आपके फेफड़ों में टॉक्सिन जमा हो गए हैं। जोड़ो में दर्द और सूजन होना बता दें कि जोड़ों में दर्द, सूजन और शरीर में पानी जमा होने की समस्या इस बात का संकेत होता है कि किडनी सही से टॉक्सिन को फिल्टर नहीं कर पा रही है।

'SU U इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें। आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में खुद का ध्यान रखने का मौका नहीं मिल पाता है। अनहेल्दी खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से शरीर में धीरे-धीरे टॉक्सिन्स पदार्थ जमा होने लगते हैं। वहीं जब यह जरूरत से ज्यादा जमा हो जाते हैं,

अप्रैल में घूमो साउथ की सैर, हर नज़ारा देगा खुशियों का ढेर!

घुमक्कड़ लोगों को घूमने का काफी शौक होता है। काम से छुट्टी लेकर लोग घूमने-फिरने जरुर जाते हैं। अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप साउथ इंडिया की इन खूबसूरत जगहों पर घूमने जरुर जाएं।

बिजी लाइफस्टाइल के चलते हम सभी अपने काम में लगे रहते हैं। ऐसे में खुद के लिए टाइम निकालना मुश्किल हो जाता है। स्ट्रेस को कम करने के लिए कम से कम घूमने-फिरने जरुर जाएं। ऑफिस से छुट्टी लेकर और अप्रैल में पड़ने वाले दो वीकेंड में लंबी छुट्टी मिलने वाली है, तो ऐसे आप घूमने का प्लान बना सकते हैं। यहां हम अप्रैल में के महीने में साउथ इंडिया में घूमने की 5 जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। यहां घूमकर आपको मजा आ जाएगा।

कूर्ग

साउथ इंडिया का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन कूर्ग है। बता दें कि, कूर्ग को कोडागु के नाम से भी जाना जाता है। यह कर्नाटक का एक शांत हिल स्टेशन है, जो अपनी धुंध वाली पहाड़ियों, हरे-भरे कॉफी बागानों और ठंडे मौसम की वजह को इस जगह को भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है।

मुन्नार

केरल का यह हिल स्टेशन उन लोगों के लिए एक सर्दियों के लिए बेस्ट है, जो प्राकृतिक नजारे का आनंद लेना चाहते हैं। यह हिल स्टेशन अपने चाय बागानों के लिए भी प्रसिद्ध है, क्योंकि चाय के पौधों की कतारें पहाड़ियों को कवर करती हैं। मुन्नार में रहने के लिए बहुत सारे स्थान उपलब्ध हैं और एक सुंदर स्थान का चयन अनुभव को और भी यादगार बना सकता है।

कोडईकनाल

तमिलनाडु के पलानी हिल्स पर स्थित कोडईकनाल एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। इस हिलस्टेशनों की राजकुमारी के रुप में जाना जाता है। गर्मी से बचने के लिए आप इस जगह पर घूमने जा सकते हैं।

गोकर्ण

कर्नाटक का गोकर्ण बीच और आध्यात्मिक विरासत का मिक्स है, जो इसे दक्षिण भारत में यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। सुंदर नजारे और प्राकृतिक शांति के लिए यह जगह काफी बढ़िया है।

पुडुचेरी

पुडुचेरी को पांडिचेरी के नाम से भी जाना जाता है। यह एक बेहद ही खूबसूरत शहर है, जो कि भारतीय संस्कृति और फ्रांसीसी औपनिवेशिक आकर्षण के लिए जाना जाता है। पुडुचेरी में कई खूबसूरत बीचेज हैं।

बाराबंकी में आग का तांडव

» खेत में आग लगने से करीब 30 बीघे गेहूं की फसल जलकर हुई खाक

» खेतों में लगी आग ने किसानों के माथे पर खींच दी चिंता की लकीरें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सिरौलीगौसपुर(बाराबंकी) पछुआ हवाओं के तेज झोको के साथ ही साथ खुर्दमऊ रसूलपुर गांव के किसानों के खेतों में लगी भीषण आग ने जमकर कहर बरपाया किसानों की गाढी कमाई से खेतों में खड़ी करीब बीस बीघे गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई जिससे किसानों की आंखों में बहते आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं।मंगलवार को दिन में करीब 12 बजे अज्ञात कारणों से चन्दू के खेत से फैली आग देखते देखते रामचन्द्र, हरिश्चन्द्र,बुधनू आदि किसानों के गेहूं के खेतों में लगी हुई फसल को अपने आगोश में ले लिया। चारों तरफ अफरा तफरी मच गई।

प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार ने पुलिस कर्मियों एंव ग्रामीणों से यूकेलिप्टस के बडे बडे पत्तेदार डन्ठल तोडवा कर आग बुझाने की बात कही इसी दौरान दर्जनों महिलाए ने इंजन से बाल्टियों में पानी भर भर कर आग में पानी फिंकवाने लगे।भा कि यू नेता एंव बदोसरांय के प्रधान निसार मेंहदी अपने दर्जनों किसानों के साथ आग बुझाने में महती भूमिका निभाई।फायर ब्रिगेड सिरौलीगौसपुर की गाडी आयी लेकिन वह घटना स्थल से 200 मीटर पहले ही चकरोड के गड्ढों में फंस गयी ।फायर बिग्रेड के पुलिस कर्मी भी मौके पर पहुंचे और पत्तियों के डन्ठल से आग बुझाने में कडी मशक्कत की दो सैकडा से अधिक ग्रामीणों व पुलिस की कडी मशक्कत के बाद एक घन्टें बाद आग पर काबू पाया गया।घटना की सूचना पर तहसीलदार शरद सिंह राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे आग बुझवाने में राजस्व कर्मियों ने भी सहयोग किया तथा आग से हुये किसानों के नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उपजिलाधिकारी सिरौलीगौसपुर को प्रेषित करने की बात बताई? ।उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने बताया है कि आग से किसानों की फसल के हुए नुकसान की रिपोर्ट आते ही किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

अज्ञात कारणों के चलते लगी आग

खेत में आग लगने के बाद रोता किसान

सूरतगंज बाराबंकी। रामनगर तहसील क्षेत्र मोहम्मदपुर खाला थाना की पुलिस चौकी लालपुर के कुतलूपुर गांव में अज्ञात कारणों के चलते गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई, आग देखते ही देखते अपना विग्राल रूप धारण कर लिया जिसमें तकरीबन 27 किसानों की 75 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। वही कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। मौके पर राजस्व विभाग के अधिकारीगण पहुंच कर नुकसान का आकलन किया। बता दें कि मंगलवार को सूरतगंज इलाके के कुतलुपुर में अज्ञात कारणों से गेहूं के खेत में लगी आग तेज हवा के कारण आसपास के खेतों में भी फैल गई। आगजनी में करीब सौ बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तेज लपटों पर काबू नहीं पा सके। सूचना मिलते ही मौके पर कई फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं। फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। जिसमें कुतलूपुर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ताहिर खान,मुंशी, माता प्रसाद, इंसान अली, रामसमुझ,पप्पू, सरवन,रामचंद्र गुप्ता, रामपाल, रमापति, श्याम सुंदर,अवधराम, रामकुमार,मोहम्मद अली, जगजीवन,राजाराम, सागर, मिराज, अफसर, रियाज, रफीक, निसार, हनीफ, दत्तू सहित दो दर्जनों से अधिक किसानो की गेंहू की फसल जलकर राख हो गई। ग्राम प्रधान की सूचना पर राजस्व निरीक्षक रामनगर राजेंद्र गुप्ता,लेखपाल रवि प्रकाश ने मौके पर पहुंच नुकसान के आकलन के दस्तावेज भर राजस्व प्रशासन को शौक दिया है। राजस्व निरीक्षक ने बताया कि करीब 75 बीघे गेहूं की फसल आग से जली है। आग लगने के कारणों की अभी तक पुष्टि नहीं हो सकी है। वही पीड़ित किसानों ने बताया कि गेहूं की अज्ञात कारणों के चलते फसल जलकर राख हो गई है वही प्रशासन से मुआवजा उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।

मांवर गांव में कागजों पर संचालित अंत्येष्टि स्थल

» ग्राम पंचायत और विकास विभाग के अफसर और कर्मचारी बने अनजान

» बिजली, ना प्रकाश की व्यवस्था कागजों में ही हो रहा संचालन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात का पंचायत विभाग हमेशा सुर्खियों में छाया रहता है। लेकिन पंचायत विभाग के अफसरों और ब्लॉक मुख्यालय के अफसरों के अचानक निरीक्षण न होने से गांवों में कुछ दिन संचालित होने के बाद गांवों में वही योजनाएं दम तोड लेती है। अगर अफसर समय समय पर अचानक निरीक्षण करते रहे हो सकता है ये योजनाएं जनता तक पहुंच सके। फिर भी जिला प्रशासन इस मामले में गंभीर नहीं दिख रहा है। शासन के निर्देश पर जनपद में करोड़ों रुपए खर्च कर दर्जन भर ग्राम पंचायत में नवीन अत्येष्टि स्थल निर्माण कार्य हो रहा है। और हो भी चुका है किंतु लेकिन मलासा ब्लॉक के मावर गांव में बना स्थल का प्रयोग न किए जाने से जगह टीन शेड टूट कर गिर रहे हैं। अंत्येष्टि स्थल पूरी तरह से बदहाल हो गया है।

अंत्येष्टि स्थल गिर रहे है। परिसर पर बड़ी-बड़ी घास जम गई है। अंत्येष्टि स्थल पहुंचने के लिए रास्ता भी खराब है। लेकिन जिमेदार अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी अंजान बने हुए हैं। सरकार द्वारा नदियों को सुरक्षित करने के लिए शव बहाने पर लगी रोक के बाद अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण कर कराया गया था लेकिन पूर्व में बने अंत्येष्टि स्थलों का प्रयोग में नहीं लेने से लाखों रुपए की लागत से चने अंत्येष्टि स्थल बदहाली का शिकार है। अंत्येष्टि स्थल की दीवार भी टूट गई है लेकिन जिग्मेदार अफसर ध्यान नहीं दे रहे हैं। धरातल पर सरकारी योजनाएं दम तोड़ रही हैं। स्वराज इंडिया जिला संवाददाता मंगलवार को पहुंचे तो अंत्येष्टि स्थल पूरी तरह से बदहाल हो चुका है अत्येष्टि स्थल पर शौचालय की हालत खराब और ताला लगा हुआ है। जब से बना आज तक इसकी कोई आज मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है। जिससे पूरी तरह से जर्जर हो रहा है। लेकिन

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी........

इस प्रकरण जानकारी नहीं है । मेरे द्वारा पूर्व में ही दिशा निर्देश जारी कर दिए गए थे फिर भी सचिवों के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। सचिवों से जवाब तलब किया जाएगा जल्द ही टूटी बाउंड्री वॉल आदि की मरम्मत करा कर के अंत्येष्टि स्थल को संचालित किया जाएगा।

डीपीआरओ विकास पटेल कानपुर देहात।

जिले के जिम्मेदार अफसर कार्यवाही में कतरा रहे है। जिससे इस फोटो से लगता है। पंचायत विभाग सिर्फ कागजों पर ही इस अंत्ययेष्टि स्थल संचालन दिखा रहे है ।जमीनी हकीकत नहीं देखी लेकिन इसको दुरस्त करने के प्रति पंचायत के जिज्मेदार सचिव और प्रधान अपनी मनमानी में संवेदनहीन स्वैया अपनाए हुए है। जबकि जिले के जिज्मेदार अधिकारी पूर्व में निर्देश दे चुके हैं। लेकिन कोई सुधार नहीं हो रहा है। जिससे अत्येष्टि स्थल की हालात दिन पे दिन खराब होते जा रहे है। एक तरफ की दीवाल पूरी तरफ से गिर गई है। लेकिन शासन की रुपए को अफसर किस तरह से दुरुपयोग कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

भारत आस्था का नहीं, आत्मा का राष्ट्र है..!

» विश्व की चर्चा में उत्तर प्रदेश पुलिस अपनी ईमानदारी एवं निष्ठा के लिए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

माती/ सरवनखेड़ा। प्रयागराज पवित्र सगंम नगरी में जो 144 साल बाद महाकुंभ का आगाज शुरू हुआ था उस पर पुलिस प्रशासन के द्वारा दिन रात एक कर के ड्यूटी कर आमजनमानस को सुरक्षा प्रदान किया उसके साथ ही भव्य दिव्य महाकुंभ भी संपन्न कराया जिस पर उत्तर प्रदेश पुलिस की पूरे विश्व में चर्चा का विषय बना हुआ है, कितना शानदार योगदान दिया है उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक मुलाकात में आलोक सिंह परिहार , संजू बाजपेई , सोनू सिंह परिहार , राम गणेश सिंह , के द्वारा बताया गया कि यह सिर्फ मंदिरों, मस्जिदों या गिरजाघरों की भूमि नहीं यह उन करोड़ों लोगों की भी है जो किसी धर्म से नहीं, भारत से जुड़ते हैं। जब हम विश्वगुरु भारत की बात करते हैं, तो उसका आधार धर्म नहीं, धर्मनिरपेक्षता है।

पुलिस एक मित्र भी हैं , और वर्दी पहनकर जिम्मेदार पुलिस की ड्यूटी भी अपनी सच्चाई और ईमानदारी के साथ सुरक्षा भी करती है , नवरात्रि व ईद भी सकुशल संपन्न करा रही है।

वरिष्ठ समाजसेवी व्यापारी संजू बाजपेई

उसकी ताकत किसी एक पंथ में नहीं, सभी के सम्मान में है। मैं उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रशंसा करता हूँ कि उन्होंने होली पर भी नियमों को सख्ती से लागू किया, शांति बनाए रखी। तो

पूरे भारत ही नहीं पूरे विश्व में जो चर्चाएं हो रही है । उत्तर प्रदेश पुलिस की वह अपने आप में एक हम लोगों को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं , सच्चाई एवं ईमानदारी से ड्यूटी की मिशाल बनी योगी पुलिस

समाजसेवी अलोक सिंह परिहार

जब ईद पर भी वे वही नियम लागू कर रहे हैं, तो किसी को इसे धार्मिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए। सच्चाई एवं ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियां के प्रति हमेशा खरा उतरने वाली उत्तर

हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पुलिस व जनता के प्रति जो व्यवहार और भरोसा है। वह जनता व पुलिस एक मित्र की भांति मिल कर चल रही है , उत्तर प्रदेश पुलिस मेहनत एवं कार्यशैली से आगे बढ़ रही है।

डाक्टर सुशांत सिंह

प्रदेश पुलिस 24 घंटे पब्लिक की सेवा में रहती है , सभी धर्म के लोगों के साथ समान व्यवहार कर सभी धर्म के त्योहारों को सकुशल संपन्न करा कर शांति व्यवस्था कायम रखती है।

शार्ट सर्किट से पेप्सी फैक्ट्री के सामने रखी कबाड़ पर लगी आग

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

माती / सरवनखेड़ा। माती मुख्यालय क्षेत्र के अंतर्गत नबीपुर इंडस्ट्रियल एरिया पेप्सी फैक्ट्री के गेट नंबर एक हाईवे किनारे शॉर्ट सर्किट से नीचे रख कबाड़ पर लगी आग जिस पर कुछ देर बाद दमकल की एक गाड़ी पहुंची।

बता दें कि माती मुख्यालय क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में पेप्सी फैक्ट्री के गेट नंबर के सामने हाईवे किनारे बिजली के खंभे से शॉर्ट सर्किट होने से खंबे के नीचे लगे कबाड़ पर लगी ।

आग धीमे-धीमे आग में इतना विकराल रूप ले लिए कुछ देर बाद पहुंची एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी आग पर न काबू पाने की स्थिति में देख पेप्सी फैक्ट्री के अंदर लगे एनओसी के सहायता से पेप्सी फैक्ट्री स्टाफ के द्वारा आग पर काबू पाया गया। बड़ी घटना होने से बची समय रहते फायर ब्रिगेड व पेप्सी फैक्ट्री के अंदर लगे एनओसी की सहायता से पर कब पाया गया जिससे बड़ी घटना होने बची।

हादसे के बाद नींद से जागा तंत्र

» हादसों के बाद जागा यातायात व पुलिस प्रशासन,बिना नंबर प्लेट ओवरलोड डंफरों पर बड़ी कार्यवाही।

» पिछले दिनों शिवली रूरा मार्ग पर कारी के पास बिना नंबर प्लेट डंफर की टक्कर से मां बेटी समेत चार लोगों की हो गई थी मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा कस्बा क्षेत्र में मालवाहक वाहन संचालक मौरंग, गिट्टी व बालू की ढुलाई में जमकर ओवरलोडिंग कर रहे हैं। जिससे आए दिन हादसे होते रहते है। फिर भी यातायात प्रशासन व पुलिस प्रशासन कोई उचित कार्यवाही नहीं करता हादसों के बाद ही जिम्मेदारों की नींद खुलती है ऐसा आम जनता का आरोप है क्योंकि अभी कुछ दिन पूर्व शिवली मार्ग पर कारी कलवारी के पास हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत के बाद प्रशासन ने नगर में ओवरलोड डंपर-ट्रक की नो एंट्री कर दी। नो एंट्री के बाद शिवली, बनीपारा व झींझक व तिगाई मार्ग पर डंपरों की लाइन लग गई। अगर यही कार्यवाही पहले की गई होती तो शायद मां बेटी समेत अन्य दो लोगों की मौत न होती।

कि ओवरलोड मौरंग व बालू लदे डंफर व ट्रक मानकों को सीधे तौर पर चुनौती दे रहे हैं। स्थिति यह है कि बिना नंबर प्लेट के इन वाहनों को दौड़ाया जा रहा है। नंबर प्लेट को धूमिल करने के लिए मिट्टी व ग्रीस प्लेट पर लगा दी जा रही है। इस करामात में ट्रक और डंफर के साथ साथ लोडर भी शामिल हैं। उनके नंबर प्लेट ही लापता हैं। ये वाहन कस्बा के अंदर से निकल रहे हैं। इससे आए दिन हादसे का भी अंदेशा बना रहता है।बावजूद इसके परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम से लेकर ट्रैफिक पुलिस बेपरवाह बनी है।बिना नंबर प्लेट के वाहन सड़क पर चलाते समय पकड़े जाने पर पहली बार में पांच हजार दूसरी बार पकड़े जाने पर 10 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यातायात पुलिस से लेकर परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम

रूरा थाने में खड़े ओवर लोड में सीज किए गए डंफर

की चेकिंग में ऐसे चालान भी करते देखे जाते हैं, लेकिन इन दिनों रूरा अकबरपुर मुख्य मार्ग से निकलने वाले ट्रॉला, डीसीएम व ट्रक बिना नंबर प्लेट दौड़ रहे हैं। इसके पीछे ओवरलोडिंग की मंशा बताई जा रही है। आए दिन ओवरलोड डंफरों और ट्रकों की वजह हादसे होते रहते है फिर फिर जिम्मेदार मौन रहते है।पिछले दिनों कानपुर देहात में रूरा-शिवली मार्ग पर यातायात नियमों की अनदेखी के चलते सोमवार को चार लोगों की जान चली गई थी। इससे पहले रूरा और तिगाई में ओवरलोड डंफर दो बाइकसवारों की जान ले चुके हैं। टक्कर मारने वाले डंफर में भी कोई नंबर प्लेट नहीं थी। जिसकी वजह से उनपर कोई कार्यवाही न हो सकी।वहीं, बाइक पर भी नियम विरुद्ध चार लोग सवार थे। आए दिन हादसे होने के बावजूद जिम्मेदार अनदेखी किए रहे। रूरा में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण पूरा होने पर 2 फरवरी से वाहनों का आवागमन शुरू है। वहीं नियमों की अनदेखी कर बिना नंबर के मौरंग भरे ओवरलोड वाहन तेज रफ्तार से दिन व रात निकलते हैं। जिससे क्षेत्र में पहले भी बाइक सवार डंपर की चपेट में आ चुके हैं। 6 मार्च को रूरा में उपकेंद्र के पास डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी थी। बाइक डंपर के आगे पहिये में फंस गई थी।जिसमें भटौली निवासी रामकुमार की मौत हो गई थी। 12 मार्च को तिगाई में डंपर की टक्कर से बाइक क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद डंपर दुकान में घुस गया था। इसमें मरमताबाद शिवली निवासी रामबहादुर की मौत हो गई थी। दोनों ही मामले में टक्कर मारने वाले डंफर बिना नंबर प्लेट और ओवरलोड थे।

शिवली मार्ग पर कारी कलवारी के पास हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत के बाद नींद से जागे प्रशासन ने नगर में ओवरलोड डंफर-ट्रक की नो एंट्री करने के साथ साथ पुलिस प्रशासन द्वारा बिना नंबर प्लेट 6 डंफरों को सीज कर थाने लाया गया है। वहीं थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम 2 डंफरों को सीज किया गया था साथ ही बुधवार सुबह भी ओवरलोड डंफरो पर कार्यवाही करते हुए और 4 डंफरों को पकड़ा गया है सीजिंग की कार्यवाही की जा रही है।

नोवा ग्रेस हॉस्पिटल संचालक ने अधिवक्ता से की अभद्रता

» माती रोड स्थित निजी अस्पताल नोवा ग्रेस हॉस्पिटल संचालक डा0 अशोक पाल की गुंडई आई सामने

» मां के इलाज में लापरवाही की शिकायत करने पहुंचे अधिवक्ता के साथ मारपीट की कोशिश

» अकबरपुर कोतवाली में पीडित अधिवक्ता ने दिया प्रार्थना पत्र

संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात।कानपुर देहात जिले में बिना मानक और नियम कायदों के गली गली खुल रहे अस्पताल इलाज के नाम पर गुंडागर्दी पर भी अमादा है। अकबरपुर में माती रोड स्थित नोवा ग्रेस हॉस्पिटल में मां के इलाज में लापरवाही की शिकायत करने पहुंचे अधिवक्ता के साथ अभद्रता की गई और मारपीट की कोशिश की गई। पीडित अधिवक्ता ने अकबरपुर पुलिस को लिखित शिकायत दी है।

अकबरपुर कस्बा के वार्ड नंबर 5 दीन दयालनगर निवासी राघवेंद्र दुबे सदर तहसील में अधिवक्ता के तौर पर कार्य करते हैं। स्थानीय पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि 20 फरवरी 2025 को घर के बाथरूम में फिसल जाने के कारण मां रानी देवी के हाथ में चोट लग गई थी। इसपर मां माती रोड स्थित नोवा ग्रेस अस्पताल में दिखवाया। मौजूद डॉक्टर अशोक पाल ने डिजिटल एक्सरे करवाकर बताया कि फ्रेक्चर हो गया है और आपरेशन करना पडेगा। इसके बाद 4 मार्च 2025 को भर्ती करके उनका आपरेशन किया गया। 6 मार्च को आपरेशन के बाद यह कहकर डिस्चार्ज कर दिया गया कि समय समय पर आकर ड्रेसिंग कराते रहें। इसपर 29 मार्च को ड्रेसिंग के लिए नोवा ग्रेस हॉस्पिटल गया। यहां पर स्टाफ ने हाथ से पटटी हटाई और कहा कि इसमें 3 तार डाले गए थे लेकिन 2 दिख रहे हैं। इसपर राघवेंद्र ने यह बात संचालक डा. अशोक पाल को बताई लेकिन उन्होने कुछ नहीं सुना। आरोप हैं कि अपनी बात रखने पर अस्पताल संचालक भडक गया और गाली गालौज करते हुए बाहर निकालने के लिए कहा। किसी तरह से वहां बचकर अपनी मां के साथ घर आ गया। पीडित ने बताया कि घटना के बाद से मां भी सदमे हैं और स्वयं भी परेशान है। इस संदर्भ में अकबरपुर कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया गया है।वहीं, अस्पताल संचालक ने स्वराज इंडिया संवाददाता से फोन पर बताया कि अधिवक्ता राघवेंद्र दुबे के द्वारा गलत आरोप लगाए जा रहे हैं, ऐसी घटना नहीं हुई है।

पुलिस चाहती है समझौता, अधिवक्ता संघ नाराज

पीडित राघवेंद्र ने बताया कि पुलिस को प्रार्थनापत्र दिया गया था, इसपर स्थानीय पुलिस ने कहा था कि अस्पताल संचालक माफी मांग लेगा। वहीं, अकबरपुर तहसील के अधिवक्ताओं ने घटना को लेकर आपस में चर्चाकर रणनीति बनाई है। कहा कि अधिवक्ता के साथ अगर बडी घटना हो जाती तब क्या होता, इस तरह से मामले में मुकदमा लिखने को लेकर बात हुई है।

बीएचयू में विभागाध्यक्ष पद को लेकर खींचतान

» बीएचयू के कुलपति के खिलाफ प्रदर्शन, मनमर्जी से नियमों और संवैधानिक व्यवस्था को दरकिनार किया

» विश्वविद्यालय में किया विरोध प्रदर्शन, अधर में नियुक्ति होने के बावजूद जूनियर को विभागाध्यक्ष पद देने पर भड़के

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

वाराणसी। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में कल कुलपति कार्यालय, सेंट्रल ऑफिस का घेराव किया गया। यह विरोध प्रदर्शन विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर महेश प्रसाद को विभागाध्यक्ष बनाए जाने में हुई अनियमितता के खिलाफ किया गया। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के नियम [Statute 25 (4) (2)] के अनुसार, वरिष्ठता क्रम के आधार पर प्रोफेसर महेश प्रसाद को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया जाना था।

लेकिन नियमों को दरकिनार करके उन्हें इस पद से वंचित कर दिया गया।

मंगलवार को विरोध कर रहे छात्रों और शिक्षकों के अनुसार, उनके स्थान पर उनसे दो वर्ष जूनियर प्रोफेसर को विभागाध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया चलाई जा रही है, जबकि उनकी नियुक्ति अभी अधर में है और विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित भी नहीं हुई है।

प्रो. महेश ने 29 वर्षों तक शिक्षक के रूप में सेवा दी है और पिछले 14 वर्षों से प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। बावजूद इसके, उन्हें नियमों के अनुसार विभागाध्यक्ष बनाने के बजाय, कला संकाय प्रमुख को आगामी आदेश तक के लिए विभागाध्यक्ष के रूप में नियुक्त कर दिया गया, जिसे प्रदर्शनकारियों ने अवैध करार दिया।इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि Statute 25 (4) (2) के अनुसार प्रो. महेश को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया जाए।

विश्वविद्यालय में अनियमितताओं के चल रहे 400 से अधिक मामले

प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर मनमर्जी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि यह नियुक्ति अपने चाहते प्रोफेसर को अनुचित लाभ देने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों में विश्वविद्यालय में इसी तरह की अनियमितताओं के चलते 400 से अधिक मुकदमे हाईकोर्ट में दर्ज हो चुके हैं, जिन पर प्रशासन जनता की गाढ़ी कमाई से 1 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुका है।

कुलपति की सरपरस्ती में बीएचयू रजिस्ट्रार कर रहे खेल

बीएचयू रजिस्ट्रार द्वारा सुनियोजित तरीके से जिस सीनियरिटी को लेकर डिस्प्यूट का खेल किया जा रहा है वह बेबुनियाद है दर्शनशास्त्र विभाग में पांच सीनियर प्रोफेसर लेवल 15 में हुए हैं,शारीरिक शिक्षा विभाग में 2 सीनियर प्रोफेसर लेवल 15 में हुए हैं,पाली एवं बौद्ध अध्ययन विभाग में प्रोफेसर विमलेंद्र कुमार सीनियर प्रोफेसर लेवल 15 हुए हैं लेकिन इन विभागों में विभाग अध्यक्षों की नियुक्ति में रोटेशन के क्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है और ना ही सीनियर प्रोफेसर लेवल 15 की सीनियरिटी को माना गया है। प्रोफ़ेसर महेश का कहना है कि यदि रजिस्ट्रार सीनियर प्रोफेसर की सीनियरिटी को लेकर के डिस्प्यूट बताते हैं

तो यह सरासर गलत है क्योंकि सीनियर प्रोफेसर लेवल 15 को सीनियरिटी में सीनियर मानने का कोई प्रावधान किसी भी नियम में नहीं है। इसके साथ ही बीएचयू में जो सीनियर प्रोफेसर के रूप में प्रमोशन हुए हैं

उनका अनुमोदन अधर में लटका हुआ है क्योंकि इन नियुक्तियों को विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद का अनुमोदन अभी तक नहीं मिला है। विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद का गठन पिछले चार वर्षों से नहीं हुआ है। यदि इन नियुक्तियों को विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद नियम (statue) 7C(5) के तहत रिजेक्ट करती है तो मामला राष्ट्रपति के यहां जाएगा उनका निर्णय अंतिम माना जाएगा। मामला यहीं खत्म नहीं हो जाएगा बीएचयू एक्ट 25(4)2 में किसी प्रकार का संशोधन किए बिना प्रोफेसर एकेडमिक ग्रेड 14 और प्रोफेसर एकेडमिक ग्रेड 15 में सीनियरिटी को लेकर के कोई अंतर नहीं किया जा सकता है। यह संशोधन देश की संसद ही कर सकती है।

अयोध्या टोल प्लाजा पर गुंडागर्दी, स्थानीय लोग परेशान

भरत कुंड और रोनाही टोल प्लाजा पर बढ़ रही बदसलूकी और जबरन वसूली की घटनाएं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।भरत कुंड और रोनाही टोल प्लाजा पर स्थानीय वाहन चालकों के साथ दादागिरी और जबरन वसूली की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। गुंडों की भारी मौजूदगी के कारण सीधे-साधे वाहन चालकों को बार-बार परेशान किया जा रहा है।31 मार्च को भरत कुंड टोल प्लाजा पर कैंट थाना क्षेत्र के गद्दोपुर निवासी एक व्यक्ति से जबरन दो बार टोल वसूला गया। मोबाइल पर तुरंत मैसेज न आने की स्थिति में उसे धमकाया गया और जब मैसेज आने के बाद प्रमाण दिखाया तो पैसे लौटाने से इनकार कर दिया गया।रौनाही टोल प्लाजा पर भी दो दिन पहले एक निजी गाड़ी चालक के साथ मारपीट की गई थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ गया है।

नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

जीएनएसएस के नियमों के अनुसार, स्थानीय निजी वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्गों पर 20 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए टोल-मुक्त सुविधा दी जानी चाहिए। लेकिन टोल प्लाजा कर्मी इस नियम की अनदेखी कर जबरन वसूली कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इन घटनाओं पर संज्ञान लेने और टोल प्लाजा पर हो रही गुंडागर्दी को रोकने की मांग की है।

राशन वितरण के लिए योगी सरकार की पारदर्शी व्यवस्था, करोड़ों लाभान्वितों को मिल रहा लाभ

77.37 प्रतिशत लाभार्थियों की हुई ई-केवाईसी

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में गरीबों और जरूरतमंदों तक राशन पहुंचाने की प्रक्रिया को न केवल प्रभावी बनाया है, बल्कि इसे डिजिटल तकनीकों के माध्यम से पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त भी किया है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। सेवा, सुरक्षा और सुशासन के मूल मंत्र को साकार करते हुए उप्र सरकार ने खाद्य एवं रसद विभाग के जरिए तकनीकी नवाचारों को अपनाया, जिसका सीधा लाभ प्रदेश के 1.15 करोड़ से अधिक राशन कार्ड धारकों को मिल रहा है।

एक बयान के मुताबिक प्रदेश सरकार ने राशन वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए ई-केवाईसी और आधार सत्यापन प्रणाली को लागू किया है, जिसके तहत राशन कार्ड धारकों को अब देश के किसी भी उचित दर दुकान पर ई-केवाईसी कराने की सुविधा प्राप्त हो रही है। खाद्य एवं रसद विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक प्रदेश के 77.37 प्रतिशत लाभार्थियों (1,15,37,940 राशन कार्डधारक) ने अपनी ई-केवाईसी पूरी कर ली है। बयान में कहा गया है कि खास बात यह है कि 10.02 लाख लाभार्थियों ने अन्य राज्यों में भी अपनी ई-केवाईसी कराई, जो इस व्यवस्था की व्यापक पहुंच सुनिश्चित कर रहा है। यही नहीं इस डिजिटल पहल ने अपात्र कार्ड धारकों की पहचान कर उन्हें सिस्टम से हटाने में मदद की, जिससे वास्तविक जरूरतमंदों तक खाद्यान्न पहुंच सुनिश्चित हुआ। सरकार का लक्ष्य शत-प्रतिशत लाभार्थियों की ई-केवाईसी शीघ्र पूरी करना है, ताकि वितरण प्रणाली और अधिक मजबूत हो सके।

छात्रनेता ने सीएम योगी के खिलाफ लगाए पोस्टर

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्टर लगाने के मामले में मुकदमा लिखा गया है। सीएम योगी के खिलाफ पोस्टर लगाने वाले एनएसयूआई का छात्र नेता बताया जा रहा है। इस पोस्टर में छात्र नेता की भी फोटो लगी है। इस पोस्टर में सीएम योगी के शपथग्रहण की फोटो लगाकर विवादित बातें लिखी गई है। फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

दरअसल लखनऊ के हजरतगंज स्थित दारुलशफा विधायक निवास के गेट पर सीएम योगी के खिलाफ पोस्टर लगाया गया है। इस मामले में मैनपुरी निवासी धर्मपाल ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ने बताया कि दारुलशफा विधायक आवास गेट के पास एक विवादित पोस्टर लगा था। इस पोस्टर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर लगी थी। साथ ही पोस्टर में आपत्तिजनक शब्द भी लिखे थे। पोस्टर में सीएम योगी की शपथ ग्रहण वाली फोटो लगाकर लिखा गया कि शपथ लेता हूं कि प्रदेश में अमन-चैन कायम नहीं होने दूंगा और प्रदेशवासियों को हर तरह से त्रस्त करके रखूंगा। सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव शुभम खरवार ने पोस्टर लगवाया है। शुभम लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र नेता भी बताए जा रहे हैं। फिलहाल उनके खिलाफ शिकायतकर्ता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

यूपी: 125 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अब इंटर तक होगी पढ़ाई

अब कुल 746 में से 388 विद्यालय हो जाएंगे उच्चीकृत

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। अब 125 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई होगी। अभी यहां कक्षा आठ तक ही बालिकाओं को निशुल्क आवासीय शिक्षा दी जा रही है। इसी शैक्षिक सत्र वर्ष 2025-26 में ही प्रत्येक विद्यालय में कक्षा नौ में सौ-सौ सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। ऐसे में कुल 12,500 छात्राओं को प्रवेश का अवसर मिलेगा। पिछले वर्ष तक 263 स्कूलों में इंटरमीडिएट तक पढ़ाई की सुविधा थी। अब इन विद्यालयों के उच्चीकृत होने से 388 स्कूलों में इंटरमीडिएट तक पढ़ाई हो सकेगी।

प्रदेश में कुल 746 केजीबीवी हैं

उप शिक्षा निदेशक (समग्र शिक्षा) डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में कुल 746 केजीबीवी हैं। चरणबद्ध ढंग से आगे सभी विद्यालयों में इंटरमीडिएट तक उच्चीकृत किया जाना है। अगले शैक्षिक सत्र तक 675 स्कूलों में इंटरमीडिएट तक पढ़ाई शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिन केजीबीवी में जमीन है, वहां पर एकेडमिक ब्लॉक बनाए जा रहे हैं।

सीसीटीवी से होगी निगरानी

वहीं जिन विद्यालयों में जमीन की कमी है, वहां पर अलग से हॉस्टल बनाकर छात्राओं को इंटरमीडिएट तक शिक्षा दिलाने की व्यवस्था की गई है। सभी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाकर उनकी निगरानी की जा रही है। विद्यार्थियों के साथ ही शिक्षिकाओं व वार्डेन की दो-दो बार उपस्थिति दर्ज की जा रही है।

गुणवत्तापरक शिक्षा देने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। पिछड़े क्षेत्रों में गरीब परिवारों की खासक अनुसूचित जाति-जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को केजीबीवी में मुफ्त आवासीय शिक्षा देने की व्यवस्था की गई है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में ऐसा होगा दाखिला

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ऐसी छात्राओं के लिए है जो कि आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े परिवारों से आती हैं। केजीबीवी में दाखिला मिलने बाद इन छात्राओं के पैरेंट्स को उनकी 12वीं तक की पढ़ाई का पूरा खर्च सरकार उठाती है। ऐसे में जो पैरेंट्स अपने बेटी का दाखिला केजीबीवी में कराना चाहते हैं, वे इन स्टेप में अप्लाई कर सकते है।

- दाखिले के लिए पैरेंट्स को अपने क्षेत्र के निकतम कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में जाकर संपर्क करना होगा।
- विद्यालय से नामांकन प्राप्त करने के बाद पैरेंट्स को इसे पूरी तरह से भरकर और जरूरी डॉक्यूमेंट्स को संलग्न करते हुए विद्यालय में ही जमा करना होगा।
- वैकल्पिक तौर पर केजीबीडब्ल्यू एडमिशन फॉर्म को अपने सम्बन्धित ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर में जमा करा सकते हैं।
- आवेदन के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं देना होता है। आवेदन प्रक्रिया के बाद सम्बन्धित विद्यालय द्वारा स्क्रूटिनी के आधार पर या प्रवेश परीक्षा का आयोजन करके छात्राओं का चयन किया जाता है।

शॉर्टलिस्ट की गई छात्राओं के लिए दाखिले की प्रक्रिया विद्यालय स्तर पर आयोजित की जाती है।

पांच लाख के इनामी आतंकी को एनआईए ने किया गिरफ्तार

जयपुर सीरियल ब्लास्ट में था शामिल फिरोज

» रतलाम, एजेंसी।

जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की साजिश रचने के मामले में करीब तीन साल से फरार चल रहे फिरोज खान पुत्र फकीर मोहम्मद सब्जीवाला को पुलिस ने आज सुबह रतलाम से गिरफ्तार कर लिया। फिरोज पर एनआईए ने 5 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। वह ईद मनाने के लिए रतलाम आया था और पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

30 मार्च 2022 को राजस्थान के निंबाहेड़ा में राजस्थान पुलिस ने 12 किलो विस्फोटक सामग्री के साथ आरोपित जुबेर निवासी आनंद कॉलोनी, अल्तमस पुत्र बशीर खान और सरफुद्दीन उर्फ सेफुल्ला पुत्र रमजानी दोनों निवासी शेरानीपुरा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सात अन्य आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया था। आरोपित कट्टरपंथी संगठन अल सुफा ग्रुप से जुड़े थे। पूर्व में गिरफ्तार किए गए 10 आरोपित जयपुर की जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ न्यायालय में चालान भी पेश किया जा चुका है।

फिरोज के हाथ नहीं आने पर एनआईएन ने 2 साल पहले उसकी गिरफ्तारी पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था तथा इस संबंध में शहर में जगह-जगह पोस्टर भी लगाए थे। फिरोज खान की तलाश में एनआईए और रतलाम पुलिस ने कई बार उसके घर तथा अन्य जगह पर दबिश दी थी, लेकिन वह हाथ नहीं आ रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। इसी बीच बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि फिरोज रतलाम आया हुआ है। एसपी अमित कुमार के निर्देशन में टीम ने उसकी तलाश की तथा घेराबंदी कर उसे उसकी कजिन सिस्टर के घर से गिरफ्तार कर लिया। एसपी अमित कुमार ने बताया कि फिरोज के रतलाम आने की सूचना मिलने पर उसकी तलाश शुरू की गई। सूचना मिली कि वह अपनी कजिन सिस्टर के घर छिपा हुआ है, इस पर टीम ने वहां पहुंच कर घेराबंदी की तथा उसे पकड़ लिया।